[श्री रामदास अग्रवाल]

आज 17 मार्च हो गई है, इस मामले में अब तक कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है और कोर्ट की अवहेलना की जा रही है। महोदया, मैं मांग करता हूं कि इसका जवाब केन्द्रीय गृह मंत्री दें कि. . . .

उपसभापति : अग्रवाल जी, बैठ जाइए

श्री रामदास अग्रवाल : किस प्रकार से सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना की जा रही है ?

**RE. DEMAND FOR BAN ON BJP BALLY AT MADRAS—*Contd.***

SHRI TINDIVANAM G. VENKAT-RAMAN: Madam, what the hon. Member Smt. Jayanthi Natarajan, has said about the rally of 21st March, 1993. .

THE DEPUTY CHAIRMAN; That is over.

SHRI TINDIVANAM G. VENKAT-RAMAN: No, that is not over. That matter is still burning. She has already given forewarning. We will have to be very careful. She has brought it to the notice of the House. Madam, money is flowing there The Government officials are actually acting as party agents.. They are being instructed to bring as many people as possible. Anything can happen here. We are all inerested in communal harmony. The rally should be bavmed. We mass avoid. . . *(Interrup, tions).* The Govt, have burnt its fingers... in Ayodhya *(Interruptions).* There is no question of writing letters. I have already informed the Home Minister. The State Government s openly helping. Therefore, it should be seriously taken into consideration. The State Government gives helping hand to the BJP meeting. It -should be banned. *(Interruptions).* We should not bum our fingers again. *(Interruptions).*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now. Special Mentions. Suri Mohd. Masud Khan. *(Interruptions).*

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR. (Utar Pradesh): I request the Home Minister to. . . *(Interruptons). . .*

उपसभापति : मैंने आपका नाम स्पेशल मेंशन में लिख दिया है, आप बोल दीजिएगा।

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: I request the Home Minister to arrest some of the DMK leaders so that th*y cannot diturb the rally. *(Interruptions).*

THE DEPUTY CHAIRMAN; Special Mentions

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: They should be arrested. *(Interruptions).*

SHRI TINDIVANAM G. VENKAT-RAMAN: Madam, they are accusing.. . *(Interruptions). They are culprits. (Interruptions).*

1-00 P.M.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Look just a minute. I have already called Mr. Mohd. Masud Khan to make his special mention. . . *(interruptions)*...Today wle have taken one hour on matters which concern Members. . . *(Interruptions). . .*

बैठ जाइए आप, मैं समझाकर बोल रही हूं। ऐसा कोई विषय मेरे ध्यान में तो नहीं है जो मेरे पास आपने लिख कर दिया हो। आप लिखकर दिया कीजिए। . . . . (व्यवधान) स्पेशल मेंशन में आपको. . . . (व्यवधान)

श्री कैलाश नारायण सारंग : (मध्य प्रदेश) : मैडम, मैंने लिखकर दिया है।

उपसभापति : आपने कल बोल दिया। आप कल बोल चुके हैं।

श्री कैलाश नारायण सारंग : नहीं, मैं बोल नहीं पाया।

उपसभापति : सुनिए, आपने बोल दिया है।

**श्री कैलाश नारायण सारंग :** नहीं, मैं बोल नहीं पाया। ...**(व्यवधान)**

**डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :** (मध्य प्रदेश) : मैडम, मैं आपकी आज्ञा मानता हूं....**(व्यवधान)**

**उपसभापति :** एक मिनट जैन साहब, अगर आप पहले से लिखकर देते तो पता हो जाता है और कायदे से सब बोल सकते हैं, क्योंकि गड़बड़ में कोई नहीं बोल पाता। कल मैंने कैलाश जी को बोलने की अनुमति दी थी। **(व्यवधान)** जैसा आपने लिखा है कि भोपाल के बारे में बम ब्लास्ट के लिए **(व्यवधान)** ... मैं दोनों से बात कर रही हूं। बम ब्लास्ट के लिए बोल रहे हैं। अभी जब हमारे सामने यह मसला आएगा और जब मिनिस्टर साहब यहां बयान देंगे, मेरी आपसे विनती है कि उस समय आप जरूर इस पर बोलिएगा, मैं आपको अलग से उसके लिए टाईम दे दूंगी। यह मेरा आश्वासन है। .... **(व्यवधान)**

**श्री कैलाश नारायण सारंग :** मैडम, मेरी बात सुन लीजिए। मैंने दो पत्र दिए, दो के लिए अनुमति मांगी, मुझे एक के लिए भी अनुमति नहीं दी जाए रही है।

**उपसभापति :** नहीं, कल आपको अनुमति दी थी और आप बोल चुके हैं, वह रिकार्ड में है।

**श्री कैलाश नारायण सारंग :** मैडम, मैं बोला नहीं हूं, मैंने तो पोइंट आउट किया है। बात तो बोलने के लिए मेरे पास बहुत है। ...**(व्यवधान)**

**उपसभापति :** इसीलिए मैं कह रही हूं।

**श्री कैलाश नारायण सारंग :** भोपाल को तो आप और हम दोनों जानते हैं। एक बात पर मुझे बोलने की अनुमति दें। इस पर नहीं बोलने दें तो दूसरा मेरा प्रश्न है, उस पर बोलने दिया जाए।

**उपसभापति :** सवाल यह नहीं है ...**(व्यवधान)** सवाल यह है कि.... **(व्यवधान)**

**श्री कैलाश नारायण सारंग :** मैडम, सारा देश ज्वालामुखी पर बैठा हुआ है। देश की सुरक्षा...**(व्यवधान)**

**उपसभापति :** वही बात कह रही हूं। सवाल यह होता है कि अगर आप उसको कुछ विस्तार में बोलना चाहते हैं तो जीरो आवर जिसको आप कहते हैं, उसमें बोलने का समय नहीं दे सकती मैं, यह मेरी ही समस्या है, क्योंकि और दूसरी चीजें हैं। अगर आपको बोलना है, मैं स्पेशल मेंशन में आपका नाम लिख देती हूं। आप स्पेशल मेंशन में बोल दीजिए। ...**(व्यवधान)**

DR. JINENDRA KUMAR JAIN: Madam, but that is not the issue... *^Interruptions).* . .Just allow me one minute. . . *(Interruptions).* . .

THE DEPUTY CHAIRMAN' If that is not the issue, please take your seat. . . *(Interruptions)* . . .

**उपसभापति :** देखिए न, जिन लोगों को....**(व्यवधान)**

**श्री कैलाश नारायण सारंग :** मैडम, स्पेशल मेंशन में मेरा नाम डाल दीजिए।

**उपसभापति :** मैं लिख देती हूं। अपना नाम दे दीजिए और मुझे विषय भी बता दीजिए।

I will pu,t it in the special mentions list so that is in proper *order.* Now let Mr. Khan speak *(Interruptions)*

**श्री मोहम्मद मसूद खान :** (उत्तर प्रदेश) : मैडम, मैं आगे से बोलना चाहता हूं।

**उपसभापति :** बोलिए-बोलिए, ठीक है, आगे से बोलिए।

I think we should take some notice of the milk system. Members sitting at the brick cannot be heard and that is why everyday I find Members asking me permission so that they can speak from the front benches. I will ask the Secretariat to look into it. There was a proposal to change the system,

SHRI RAM JETHMALANI (Karnataka): Members who do not have stroig lungs should be placed in the front.

—

## SPECIAL MENTIONS

### PROBLEMS FACED BY SUGARCANE GROWERS AT SATHIYAVAN SUGAR MILL IN AZAMGARH) U.P.

**श्री मोहम्मद मसूद खान :** (उत्तर प्रदेश) : मैडम, मैं आपकी तवोज्जह उत्तर प्रदेश में पूर्वी अंचल खास तौर से आजमगढ़ की तरफ दिलाना चाहता हूं। आजमगढ़ में किसानों के वास्ते कोई कैश-क्रोप नहीं है। सिर्फ गन्ना एक ऐसी क्रोप है जिसके वास्ते एक चीनी मिल सठियावां में है। लेकिन उसका इंतजाम बहुत ज्यादा खराब है। सही तौर से सर्वे नहीं होता और उसके बाद पर्ची सही तौर से नहीं मिलती। जो गन्ना बोते हैं उनके नाम सर्वे नहीं होता और उनको पर्ची नहीं मिलती और जो गन्ना नहीं बोते हैं उनका फर्जी इन्द्राज होता है और पर्ची मिलती है। पर्ची मिलने के बाद जब किसान गन्ना कांटे पर ले जाते हैं जहां उसकी तुलाई होती है तो वहां तोलने वाला नहीं मिलता। बड़ी मुश्किल से अगर मिलता है तो गन्ना तौल दिया जाता है और उसके ट्रोली 8–10–15 दिन तक वहीं कांटे पर खड़ी रहती हैं और कभी कभी, मैडम, ऐसा होता है कि जितना गन्ना ट्राली पर है उससे ज्यादा किराया लग जाता है। इस सिलसिले में वहां के चीनी मिल मैनेजर से, जिलाधिकारी आजमगढ़ से और एक नई स्थिति जो कायम हुई है उत्तर प्रदेश में, गवर्नर के सलाहकार और लोगों से मैंने खुद भी बात की है और उसके बाद खत भी लिखा, लेकिन इस पर कोई तवोज्जह नहीं दी जा रही है। लेकिन इस पर कोई तवाज्जह नहीं दी जा रही है। माननीय, अगर ये किसान इसी तरह से उत्पीड़ित किए जाएंगे जैसा कि आजमगढ़ में किया जा रहा है तो मुमकिन है कि और जगहों की तरह से वहां भी एक भूचाल सा आ जाए और किसान सरकार के खिलाफ स्टेट सरकार तो है नहीं, सेंटर की सरकार है, उसके खिलाफ कोई ऐजीटेशन करने के वास्ते तैयार हो जाएं।

मैं आपके माध्यम से सरकार की तवज्जह इसकी तरफ दिलाना चाहता हूं कि गन्ना किसानों की सही परसी, गन्ना किसानों का सही सर्वे और जिन गन्ना किसानों की 10–10, 15-15 दिन ट्रॉली गई है, उन 10-15 दिनों का उनको किराया दिलाया जाए, तब जाकर उनको कुछ राहत मिलेगी।

श्री मोहम्मद मसूद खान (उत्तर प्रदेश)